



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 63]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 2, 1984/फाल्गुन 12, 1905

No. 63]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 2, 1984/PHALGUNA 12, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 29 फरवरी, 1984

प्रसिद्धि

मा० का० नि० 203(अ) :—केन्द्रीय सरकार अधिलेख नाशकरण अधिनियम, 1917 (1917 का 5) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :— (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम (कम्पनी रजिस्ट्रार के कार्यालय में) अधिलेखों का अयन नियम, 1984 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं :—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ में अन्यथा प्रोक्षित न हो, —

(क) "अधिनियम" से समय-समय पर यथा संशोधित कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) अभिप्रेत है;

(ख) "कम्पनी" का वही अर्थ है, जो उसका अधिनियम में है, और उसके अन्तर्गत उस अधिनियम की धारा 591 के अधिनियमन कोई विदेशी कम्पनी भी है,

(ग) "प्रवर्तन में कम्पनी" से ऐसी कम्पनी जिसका नाम अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अधीन रजिस्टर से नहीं काटा गया है या जिसका पूर्ण रूप से परिसमापन और अंतिम रूप से विघटन नहीं हुआ है, अभिप्रेत है;

(घ) "रजिस्ट्रीकृत दस्तावेज" से अधिनियम के अनुसरण में कम्पनी के रजिस्ट्रार द्वारा फाइल की गई, रजिस्ट्रीकृत या अभिलिखित कोई दस्तावेज या अधिनियम के अनुसरण में कम्पनी के रजिस्ट्रार द्वारा बनाए रखा गया कोई अन्य अभिलेख है, और

(ङ) "कम्पनी रजिस्ट्रार से रजिस्ट्रार, अपर, संयुक्त, उप या सहायक रजिस्ट्रार, जिसका अधिनियम के अधीन कम्पनी रजिस्टर करने का कर्तव्य है, अभिप्रेत है।

3. कुछ दस्तावेजों का स्थायी रूप से परिरक्षित किया जाना :—

निम्नलिखित दस्तावेजों को स्थायी रूप से परिरक्षित किया जाएगा, अर्थात् :—

- (1) कम्पनी रजिस्टर,
- (2) कम्पनी रजिस्टर की अनुक्रमिका,
- (3) वंशकों और प्रभागों का रजिस्टर,
- (4) वंशकों और प्रभागों की कालानुक्रमिका।

(5) कम्पनियों के अनुक्रमणिका पत्र, और

(6) रजिस्ट्रीकृत दस्तावेज, जो प्रस्तुत किसी कम्पनी से सम्बद्ध है और जो इन नियमों की अनुसूची I में विनिर्दिष्ट है।

4. दस्तावेजों का नाशकरण :— कम्पनी रजिस्ट्रार के पूर्व आदेश के अधीन रहते हुए, उसके कार्यालय में के निम्नलिखित अभिलेखों को निम्नलिखित रूप में विनिर्दिष्ट उनके परिरक्षण की अवधि की समाप्ति के पश्चात् नष्ट किया जा सकेगा :—

(1) अभिलेखों को 35 वर्ष के लिए परिरक्षित किया जाएगा।

(i) प्रतिभूत बंधपत्र रजिस्टर,

(ii) अधिकारियों की उत्तरवर्तन सूची।

(2) अभिलेखों को 21 वर्ष के लिए परिरक्षित किया जाएगा।

(i) ऐसी कम्पनियों से जिनके नामों को अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अधीन कम्पनी रजिस्टर से काट दिया गया है; सम्बद्ध सभी रजिस्ट्रीकृत दस्तावेज ऐसी कम्पनियों से सम्बद्ध पत्र व्यवहार सहित।

(ii) कम्पनी परिसमापन लेखाओं से सम्बद्ध सभी कागज पत्र और रजिस्टर, प्रतिदाय आदेश और सभी पत्र व्यवहार।

(3) अभिलेखों को 10 वर्ष के लिए परिरक्षित किया जाएगा :—

(i) कम्पनी से सम्बद्ध सरकारी आदेशों की प्रतियां,

(ii) अधिनियम की धारा 205-क के अधीन कम्पनी के असंवत्त लाभों लेखा से संवाय से सम्बद्ध सभी कागज पत्र, रजिस्टर, प्रतिदाय आदेश और पत्र व्यवहार।

(iii) कम्पनियों के रजिस्ट्रीकृत दस्तावेज जिनका पूर्ण रूप से परिसमापन और अंतिम रूप से विघटन हो गया है, ऐसी कम्पनियों से सम्बद्ध पत्र व्यवहार सहित।

(4) अभिलेखों को 5 वर्ष के लिए परिरक्षित किया जाएगा।

(i) मामला और अपील, यदि कोई है, के व्ययन की तारीख 5 वर्ष के लिए विधिक कार्यवाहियों से सम्बद्ध कागजपत्रों को परिरक्षित किया जाएगा।

(ii) सांख्यिकीय विवरणियों की प्रतियां सरकार को दी जाएंगी।

(iii) सभी पत्र व्यवहार जिसके अन्तर्गत तुलनपत्र अभियोजन, प्रादेशिक निवेशकों और कम्पनी विधि बोर्ड को रिपोर्टों जिसके अन्तर्गत अधिनियम की धारा 209-क के अधीन निरीक्षण भी है, की सवीक्षा से सम्बद्ध पत्र व्यवहार और शिफायतों से सम्बद्ध पत्र व्यवहार।

परन्तु अभियोजन के मामलों की वशा में तारीख की गणना मामले और अपील, यदि कोई है, के व्ययन की तारीख से होगी।

(5) प्रवर्तन में की किसी कम्पनी से सम्बद्ध इन नियमों की अनुसूची 2 में विनिर्दिष्ट रजिस्ट्रीकृत दस्तावेजों को अनुसूची में उनके सामने उपरिष्ठित अवधि तक परिरक्षित किया जाएगा।

(6) विदेशी कम्पनी की रजिस्ट्रीकृत दस्तावेजों :— ऐसी विदेशी कम्पनियों की रजिस्ट्रीकृत दस्तावेज जिनका भारत में कारखाना का कोई स्थान नहीं रहा है, ऐसी कम्पनी के भारत में कारखाना का कोई स्थान न रहने की तारीख से तीस वर्ष की समाप्ति के पश्चात् निम्नलिखित प्रक्रिया के अनुसार नष्ट कर दी जाएंगी :—

कम्पनी रजिस्ट्रार, दिल्ली सम्बद्ध रजिस्ट्रार को एक निश्चित तारीख तक किसी विशेष कम्पनी की दस्तावेज और अन्य अभिलेखों को नष्ट करने की उसके दो सप्ताह पूर्व

सूचना देगा और सम्बद्ध रजिस्ट्रार ऐसी सूचना की प्राप्ति पर, उसी समय उक्त दस्तावेजों को नष्ट करेगा और कम्पनी रजिस्ट्रार दिल्ली को ऐसे नाशकरण की सूचना देगा।

(7) अभिलेखों को तीन वर्ष के लिए परिरक्षित किया जाएगा :—

(i) सभी बहियां, अभिलेख और कागजपत्र उन से भिन्न जो नियम 4 के उपनियम (1), (2), (3), (4), (5) और (6) में विनिर्दिष्ट हैं।

(ii) दस्तावेजों की विवरणी के बारे में फीस, प्रतिरिक्त फाइल, फीस के संवाय के बारे में दैनिक पत्र व्यवहार और पत्र व्यवहार।

(8) रजिस्टर का अनुमोदन :— कम्पनी रजिस्ट्रार के कार्यालय में कोई अभिलेख इस निमित्त लिखित पूर्व आदेश के बिना नष्ट नहीं किया जाएगा।

(9) नष्ट किए गए दस्तावेजों के अभिलेख को बनाए रखा जाना :— कम्पनी रजिस्ट्रार इस में संलग्न परिशिष्ट में उपरिष्ठित प्ररूप में दो भागों में एक रजिस्टर बनाए रखेगा जिसमें वह नष्ट किए गए अभिलेखों की संक्षिप्त विवरणियों की प्रविष्टि करेगा और उसमें अपने हस्ताक्षर से नष्टकरण की तारीख और वंग प्रमाणित करेगा।

(10) अन्य नियमों का लागू होना बजित न होना :— इन नियमों के उपबंध (साधारण वित्तीय नियमों के संकलन परिशिष्ट 13 में अन्तर्लिखित) लेखाओं से सम्बद्ध कार्यालय अभिलेखों के नाशकरण के नियमों के अनुरिक्त होंगे न कि उनके प्रत्तीकरण में और अभिलेखों के लिए अभिलेख प्रक्रिधारण अनुसूची के अधीन विहित अवधि सभी विभागों और ऐसे अन्य नियमों के लिए सामान्य होगी) (अनुसूची का परिशिष्ट IX, पैरा 1 भाग II)

(11) निरसन और व्यावृत्ति :— (1) (कम्पनी रजिस्ट्रार के कार्यालय में) अभिलेखों का व्ययन नियम 1957 का निरसन किया जाता है।

परन्तु नियमों के निरसन की तारीख से पूर्व 1957 के नियमों के अधीन की गई कोई कार्यवाही मात्र इस आधार पर कि नियमों को इस प्रकार निरसित कर दिया गया है, अवधिमान्य नहीं होगा।

परिशिष्ट (नियम 9 देखिए)

भाग I

(कम्पनियों से सम्बन्धित दस्तावेजों की विधिष्टियां)

कम्पनी का नाम	अधिनियम जिसके अधीन रजिस्ट्रीकृत है	
1	2	
तारीख जिसको अंतिम रूप से विघटन या जिसका परिस-भापन हुआ या जिसका नाम काटा गया ।	नष्ट किए गए दस्ता-वेजों का वर्णन कम्पनी रजिस्ट्रार के आदेशों सहित नाशकरण की तारीख और वंग	
3	4	5

भाग-II

1

2

3

(भाग I में विनिर्दिष्ट से भिन्न दस्तावेजों की विधिष्टियाँ)

नष्ट की गई फाइल या दस्तावेज की विषय जिससे दस्तावेज सम्बन्धित है संख्या

1	2
नष्ट किए गए दस्तावेज का वर्णन	कम्पनी रजिस्ट्रार के आदेशों सहित नाशकरण की तारीख और ढंग

3	4
---	---

अनुसूची I

[नियम 3(6) देखिए]

क्रम सं०	दस्तावेज का नाम	परिष्करण की अवधि
1	2	3
1.	कम्पनी विधि बोर्ड के आदेश की प्रमाणित प्रति जिससे आपन के परिवर्तन की पुष्टि होती हो और इस प्रकार परिवर्तित किए गए आपन की एक मुद्रित प्रति [धारा 16 (1)]	स्थायी
2.	एक राज्य से अन्य राज्य को रजिस्ट्रीकृत कार्यालय परिवर्तन की पुष्टि करने वाले आदेश की प्रमाणित प्रति (धारा 18) (3)	स्थायी
3.	नई कम्पनी के रजिस्ट्रीकरण के लिए आपन और अनुच्छेद [धारा 33 (1)]	स्थायी
4.	आपन और संगम अनुच्छेदों में उपांतर के लिए धारा 25 के अधीन किए गए अनुमोदन, और धारा 31 या धारा 43-क के अधीन कोई आदेश	स्थायी
5.	किसी प्राइवेट कम्पनी द्वारा जो स्वयं को पब्लिक कम्पनी में संपरिवर्तन के लिए अनुच्छेदों का परिवर्तन कर रही है, प्रोस्पेक्टस या प्रोस्पेक्टस के स्थान पर विवरण (धारा 4)।	स्थायी
6.	पब्लिक कम्पनी द्वारा प्रोस्पेक्टस	स्थायी
7.	ऐसी कम्पनी द्वारा जो प्रोस्पेक्टस जारी नहीं करती प्रोस्पेक्टस के स्थान पर विवरण (धारा-70)	स्थायी
8.	समेकन या शेयर पूंजी के विभाजन और स्टॉक में संपरिवर्तन और पुनः संपरिवर्तन की सूचना (धारा 95)	स्थायी
9.	शेयर पूंजी की वृद्धि की सूचना (धारा 97)	स्थायी
10.	सदस्यों की वृद्धि की सूचना (धारा 97)	स्थायी
11.	शेयर पूंजी की कमी की पुष्टि करने वाले न्यायालय का आदेश और कार्यवृत्त की प्रमाणित प्रति (धारा 104)	स्थायी

12.	शेयर धारक के अधिकार के रद्दकरण या फेर-फार की बाबत न्यायालय के आदेश की प्रति (धारा 107)	स्थायी
13.	रिसीवर/अबंधक के इस प्रकार न रहने की सूचना (धारा 137)	स्थायी
14.	रिसीवर/अबंधक की नियुक्ति की सूचना (धारा 137)	स्थायी
15.	रजिस्ट्रीकृत कार्यालय और उसमें किए गए किसी परामर्श की सूचना (धारा 146)	स्थायी
16.	सदस्यों के रजिस्टर की परिशुद्धि की सूचना (धारा 156)	स्थायी
17.	कार्यालय की जहाँ विदेशी रजिस्टर रखा जाता है या उसमें से किसी परिवर्तन की सूचना [धारा 157 (2)]	स्थायी
18.	कानूनी रिपोर्ट (धारा 165)	स्थायी
19.	अदावाकृत लाभों की सूची, कम्पनी असंदस्त लाभों (केन्द्रीय सरकार के साधारण राजस्व लेखों का अन्तर्गण) नियम, 1978) का आरूप सं० 1 नियम 3(5) (धारा 205क)	स्थायी
20.	पते की सूचना जिस पर लेखा बहियाँ बनाए रखी जाती हैं, (धारा 209 (1))।	स्थायी
21.	वार्षिक तुलनपत्र और लाभ और हानि लेख (धारा 220)	स्थायी
22.	कम्पनियों की बाबत न्यायालय के आदेश की प्रति और लेनदारों और सदस्यों के साथ ठहराव और अपील आदेशों की प्रति [(धारा 391) (3) (1)]	स्थायी
23.	कम्पनियों की पुनः संरचना और समामेलन से संबंधित न्यायालय के आदेशों की प्रति [धारा 394(3)]।	स्थायी
24.	स्कीम या संबद्धा जिसमें शेयर का अन्तर्गण अन्तर्गणित है (धारा 395) (4क) (क) (1)	स्थायी
25.	विसम्मत शेयर धारकों की सूचना (धारा 395)	स्थायी
26.	समामेलन का आदेश (धारा 396)	स्थायी
27.	धारा 397 या धारा 398 के अधीन आपन और संगम अनुच्छेद के परिवर्तन के लिए न्यायालय के आदेशों की प्रति।	स्थायी
28.	रिसीवर लेखों के संक्षिप्त (धारा 421)। भारतीय रिजर्व बैंक में प्रेषण और प्रत्याहरण का रजिस्टर	स्थायी
29.	अदावाकृत लाभों का विवरण (धारा 555)	स्थायी
30.	न्यायालय आदेशों की प्रमाणित प्रति जिनके द्वारा विघटन को ग्राह्य घोषित किया गया है [धारा 559) (2)]।	स्थायी
31.	विद्यमान कम्पनियों का रजिस्ट्रीकरण-सकल्प की प्रति (धारा 565)	स्थायी
32.	विद्यमान कम्पनियों का रजिस्ट्रीकरण-सदस्यों की सूची [धारा 567 (क)]।	स्थायी

1	2	3	1	2	3
33. विद्यमान कम्पनियों का रजिस्ट्रीकरण फाइल किए जाने वाली विशिष्टियों का विवरण [धारा 567 (ग)]	स्थायी		11. एक शृंखला से अधिक में दिवेंचरों का रजि-स्ट्रीकरण (धारा 128 का परन्तुक) —	दिवेंचरों के पुरोधरण के पश्चात् एक वर्ष	
34. विद्यमान ज्वाइंट स्टोक कम्पनी द्वारा सीमित/अवरिसिमित कम्पनी के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन (धारा 568)	स्थायी		12. दिवेंचरों पर कमीशन की विशिष्टियाँ।	5 वर्ष	
35. लिमिटेड/ग्रन लिमिटेड के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए विद्यमान कम्पनी द्वारा आवेदन (जो स्टोक कम्पनी नहीं हैं) (धारा 568)	स्थायी		13. प्रभार के उपास्तरण की विशिष्टियाँ (धारा 135) प्रभार की तुष्टि के पश्चात् 10 वर्ष।		
36. विद्यमान कम्पनियों का रजिस्ट्रीकरण निवेशकों की सूची आदि [धारा 568 (क)]	स्थायी		14. प्रभार की तुष्टि का ज्ञापन (धारा 138)	तुष्टि के पश्चात् 10 वर्ष	
37. विद्यमान कम्पनी का रजिस्ट्रीकरण घोषणा प्रारूप (धारा 569)	स्थायी।		15. प्रॉस्पेक्टस जारी करने वाली कम्पनी द्वारा कारबार प्रारंभ करने के पूर्व घोषणा [धारा 149(1)]	रजिस्ट्रार द्वारा प्रमाण पत्र जारी किए जाने के पश्चात् एक वर्ष।	
अनुसूची 2 (नियम 5 देखिए)			16. प्रॉस्पेक्टस के स्थान पर विवरण जारी करने वाली कम्पनी द्वारा कारबार प्रारंभ करने के पूर्व घोषणा [धारा 149 (2)]	यथोक्त	
सं०	दस्तावेज का नाम	परिवर्तन की अवधि	17. ऐसी कम्पनी के जिसकी शेयर पूंजी है, सदस्यों की वार्षिक विवरणी (धारा 159)	5 वर्ष या अगली विवरणी का फाईल किया जाना, इनमें से जो भी बाद में हो।	
1. अनुच्छेदों में इस प्रकार नामित किसी अधि-पक्षता अटर्नी, प्लीडर या निदेशक, प्रबंध निदेशक, सचिव और कोषागार, प्रबंधक या सचिव द्वारा अधिनियम की अपेक्षाओं के अनुपालन की घोषणा [धारा 33 (2)]	10 वर्ष		18. ऐसी कम्पनी जिसकी शेयर पूंजी नहीं है, सदस्यों की वार्षिक विवरणी (धारा 160)	3 वर्ष या अगली विवरणी को फाईल किया जाना। इनमें से जो भी बाद में हो।	
2. कम्पनी (निक्षेपों का प्रतिग्रहण) नियम, 1975 की धारा 58क नियम 10 के अधीन फाइल की गई निक्षेप विवरणी	8 वर्ष		19. धारा 187-ग के अधीन विवरणी	8 वर्ष	
3. धारा 58 क के अधीन (नियम 4/4क पूर्वोक्त के अधीन विज्ञापन या विज्ञापन के स्थान पर विवरण की प्रति।	8 वर्ष		20. संकल्प और करों का रजिस्ट्रीकरण (धारा 192)	5 वर्ष	
4. शेयरों के आवंटन की विवरणी [धारा 75 (1)(क)]	5 वर्ष		21. लेखा परीक्षक की सूचना [धारा 224 (1क)] एफ-234 खा।	3 वर्ष	
5. मकद से अग्रया पूर्णतः या भागतः संवत् शेयरों के आवंटन की सविदा और ऐसी सविदा की सत्यापित प्रतियाँ [धारा 75 (1) (ख)]	5 वर्ष		22. रजिस्ट्रार के पास फाइल की जाने वाली निदेशकता के लिए अभ्यर्थियों की सहमति [धारा 264 (2)]	10 वर्ष	
6. ऐसी सविदाओं की जो लिखित रूप में नहीं हैं, विहित विशिष्टियाँ। [धारा 75 (2) (1)]।	5 वर्ष		23. निदेशक होने के लिए सहमति देने वाले व्यक्तियों की सूची [धारा 266 (4)]	10 वर्ष	
7. शेयरों के लिए अभिदाय की कमीशन की दर प्रतिशत की रकम प्रकट करने वाला विवरण अर्हा वे अभिदाय के लिए जनता को प्रस्ता-वित नहीं किए गए हैं (धारा 76)।	5 वर्ष		24. निदेशकों का सहमति प्रपत्र (धारा 266) (1) (क) और निदेशक के नाम में रजि-स्ट्रीकृत शेयर की बाबत शपथपत्र [धारा 266 (1) (ख)] (iv)	10 वर्ष	
8. बंधकों की विशिष्टियाँ (धारा 125)	प्रभारों की तुष्टि के पश्चात् 10 वर्ष		25. अर्हता शेयर लेने के लिए निदेशकों का बचन-बंध [धारा 266 (1) (ख) (iii)] और निदेशक द्वारा धारित अर्हता शेयरों की घोषणा (धारा 271)	10 वर्ष	
9. प्रभार के अधीन रहते हुए अर्जित सम्पत्ति पर प्रभार की विशिष्टियाँ (धारा 127)	प्रभारों की तुष्टि के पश्चात् 10 वर्ष		26. निदेशकों की विशिष्टियाँ आदि [धारा 303 (2)]	5 वर्ष	
10. दिवेंचरों की शृंखला के पुरोधरण का रजि-स्ट्रीकरण (धारा 123)	दिवेंचरों के उन्मोचन के पश्चात् एक वर्ष।		27. न्यायालय द्वारा परिसमापन आवेग की प्रति [धारा 445 (1)]	कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 559 के अधीन विघटन की तारीख से 5 वर्ष या आवेदन नामजूर किए जाने के पश्चात् 1 वर्ष	
			28. शासकीय परिसमापक के संवरीक्षित लेख [धारा 462 (4)]	यथोक्त	

1	2	3	1917) the Central Government hereby makes the following rules, namely :—
29. परिसमाप्त की होकने वाले न्यायालय के आदेश की प्रति [धारा 466 (3)]	यथोक्त		1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Disposal of Records (in the Offices of the Registrars of Companies) Rules, 1984.
30. न्यायालय द्वारा कम्पनी के विघटन के आदेश की प्रति [धारा 481 (2)]	कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 559 के अधीन विघटन की तारीख से 5 वर्ष या आवेदन के नामजूर किए जाने पश्चात् एक वर्ष ।		(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
31. स्वेच्छा परिसमाप्त की दशा में दिवालय की घोषणा [धारा 488 (2) (क)]	यथोक्त		2. Definitions.—In these Rules, unless the context otherwise requires—
32. स्वेच्छा परिसमाप्त की नियुक्ति की सूचना [धारा 493 (1)]	यथोक्त		(a) "Act" means the Companies Act, 1956 (1 of 1956) as amended from time to time ;
33. अन्तिम अधिवेशन और सदस्यों के परिसमाप्त की दशा में विघटन की विवरणी [धारा 497 (5)]	यथोक्त		(b) "Company" has the meaning assigned to it in the Act and includes a foreign company within the meaning of section 591 of the Act ;
34. सदस्यों के परिसमाप्त की दशा में विघटन की तारीख आस्थगित करने वाले न्यायालय के आदेश की प्रति [धारा 497 (6)]	यथोक्त		(c) "Company in operation" means a company whose name has not been struck off the Register under sub-section (5) of section 560 of the Act or which has not been fully wound up and finally dissolved ;
35. लेनदारों के संकल्प की सूचना का परिसमाप्त [धारा 501 (1)]	यथोक्त		(d) "Registered Document" means a document filed, registered or recorded by the Registrar of Companies in pursuance of the Act and any register or other record maintained by the Registrar of Companies in pursuance of the Act ; and
36. लेनदारों के परिसमाप्त में विघटन की तारीख आस्थगित करने वाले न्यायालय के आदेश की प्रति [धारा 509 (1)]	यथोक्त		(e) "Registrar of Companies" means a Registrar, or an Additional, a Joint, Deputy or an Assistant Registrar, having the duty of registering companies under the Act.
37. लेनदारों के परिसमाप्त की दशा में अन्तिम अधिवेशन और विघटन की विवरणी [धारा 509 (3)]	यथोक्त		3. Certain documents to be preserved permanently:—The following documents shall be preserved permanently, namely :—
38. स्वेच्छा परिसमाप्त की दशा में न्यायालय द्वारा परिसमाप्तक द्वारा अपनी नियुक्ति की सूचना [धारा 516 (1)]	कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 559 के अधीन विघटन की तारीख से 5 वर्ष या आवेदन नामजूर किए जाने के पश्चात् एक वर्ष ।		(1) the Register of Companies ;
39. परिसमाप्तक का लेखा विवरण [धारा 555 (1) (ख)]	यथोक्त		(2) the Index to the Register of Companies;
40. पत्र व्यवहार सहित धारा 560 (5) के अधीन कम्पनी से सम्बन्धित रजिस्ट्रीकृत दस्तावेजों का काटा जाना—नियम 4 (3)	21 वर्ष		(3) the Register of Mortgages and Charges ;
41. कोई अन्य रजिस्ट्रीकृत दस्तावेज जो ऊपर विनिर्दिष्ट नहीं है ।	3 वर्ष		(4) the Chronological Index of Mortgages and charges;
			(5) Index Cards of Companies and
			(6) registered documents which relate to any company in operation and which are specified in Schedule I to these Rules.
			4. Destruction of documents.—Subject to the previous order of the Registrar of Companies, the following records in his office may be destroyed after the expiration of the period of their preservation as specified below :—
			(1) Records to be preserved for 35 years
			(i) Register of Security Bonds ; and
			(ii) Succession List of Officers.
			(2) Records to be preserved for 21 years :
			(i) All registered documents relating to companies names of which have been struck off the Register of Companies under sub-section (5) of section 560 of the Act together with correspondence relating to such companies.
			(ii) All papers, registers, refund orders and correspondence relating to the Companies Liquidation Accounts.
			(3) Records to be preserved for 10 years :
			(i) Copies of Government Orders relating to Companies.
			(ii) All papers, registers, refund orders and correspondence relating to payment from Companies Unpaid Dividend Account under section 205-A of the Act.
			(iii) Registered documents of companies, which have been fully wound up and finally dissolved, together with correspondence relating to such companies.

[का० सं० 2/19/83 सी एन-बी]

पी० के० मलिक, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF LAW JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th February, 1984

G.S.R. 203(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Destruction of Records Act, 1917 (5 of

(4) Records to be preserved for 5 years :

- (i) Papers relating to legal proceedings to be preserved for 5 years from the date of disposal of the case and appeal, if any.
- (ii) Copies of statistical returns furnished to Government.
- (iii) All correspondence including correspondence relating to scrutiny of balance sheets, prosecutions, reports to the Regional Directors and Company Law Board including inspections under section 209-A of the Act, and the correspondence relating to complaints.

Provided that in case of prosecution matters, the date is to be accounted from the date of disposal of the case and appeal, if any.

(5) The registered documents specified in Schedule I to these rules relating to any company in operation shall be preserved for the period indicated against them in the said schedule.

- (6) Registered documents of foreign companies.—Registered documents of foreign companies which cease to have any place of business in India shall be destroyed after expiry of three years from the date such company ceases to have any place of business in India in accordance with the following procedure :—

The Registrar of Companies, Delhi shall intimate to the Registrar concerned his intention to destroy the documents and other records of a particular company by a certain date, two weeks in advance thereof and the Registrar concerned shall on receipt of such intimation, destroy the said documents at the same time and communicate to the Registrar of Companies, Delhi the fact of such destruction.

(7) Records to be preserved for three years

- (i) All books, records and papers, other than those specified in sub-rules (1) (2), (3), (4), (5) and (6) of rule 4.
- (ii) Routine correspondence regarding payment of fees additional filing fees and correspondence about the return of documents.

8. Approval of Registrar.—No record in the office of Registrar of Companies, shall be destroyed without his previous order in writing in that behalf.

9. Record of document destroyed to be maintained.—The Registrar of Companies shall maintain a Register in two parts, in the form set out in the Appendix annexed hereto, wherein he shall enter brief particulars of the records destroyed and shall certify by his own hand therein the date and mode of destruction.

10. Application of other rules not barred.—The provisions of these rules shall be in addition to and not, in derogation of, the rules for the Destruction of Office Records connected with Accounts (containing in Appendix 13 to the Compilation of the General Financial Rules) and the period prescribed under Record Retention Schedule for Records common to all departments and such other Rules. (Appendix IX, para 1, part II Schedule).

11. Repeal and Saving.—The Disposal of Records (in the Offices of Registrars of Companies) Rules, 1957 are hereby repealed :

Provided that any action taken under the 1957 rules prior to the date of the repeal of the rules shall not become invalid on the grounds that the rules have been so repealed.

APPENDIX

[See Rule 9]

PART I

(Particulars of documents relating to Companies)

Name of Company	Act under which registered	Date on which finally dissolved or wound up or struck off
1	2	3

Description of documents destroyed	Date and mode of destruction with initials of the Registrar of Companies
4	5

PART II

(Particulars of documents other than those specified in Part I)

No. of the file or document destroyed	Subject to which the document refer
1	2

Description of documents destroyed	Date and mode of destruction with initials of the Registrar of Companies
3	4

SCHEDULE I

[See Rule 3(6)]

No.	Name of document	Period of Preservation
1	2	3
1.	Certified copy of order of Company Law Board confirming alteration of memorandum and a printed copy of the memorandum so altered [Section 18(1)]	Permanent
2.	Certified copy of order confirming change of registered office from one State to another [Section 18(3)].	Permanent

1	2	3	1	2	3
3.	Memorandum and articles for registration of a new company [Section 33(1)].	Permanent	21.	Annual Balance Sheet and Profit & Loss Accounts (Section 220).	Permanent
4.	Approval granted under section 25 for modification in the Memorandum and Articles of Association; any order under section 31 or under section 43A.	Permanent	22.	Copy of order of Court regarding compromises and arrangements with creditors and members and copy of orders in Appeal [Section 391(3)].	Permanent
5.	Prospectus or statement in lieu of prospectus by a private company altering the articles for converting itself into a public company (Section 44).	Permanent	23.	Copy of orders of Court relating to reconstruction and amalgamation of companies [Section 394(3)].	Permanent
6.	Prospectus by a public company (Section 60).	Permanent	24.	Scheme or contract involving transfer of shares [Section 395 (4A)(a)(i)]	Permanent
7.	Statement in lieu of prospectus by a company which does not issue prospectus (Section 70)	Permanent	25.	Notice of Dissenting shareholders (Section 395).	Permanent
8.	Notice of consolidation or division of share capital and of conversion and reconversion into stock (Section 95).	Permanent	26.	Order of Amalgamation (Section 396).	Permanent
9.	Notice of increase of share capital (Section 97).	Permanent	27.	Copy of orders of Court for alteration of Memorandum and Articles of Association under section 397 or section 398.	Permanent
10.	Notice of increase of members (Section 97).	Permanent	28.	Abstract of Receiver Accounts (Section 421) Register of Remittances into and withdrawal from Reserve Bank of India.	Permanent
11.	Order of Court confirming reduction of share capital and certified copy of the order and minute (Section 103).	Permanent	29.	Statement of unclaimed dividends (Section 555).	Permanent
12.	Copy of order of Court regarding cancellation or variation of shareholders' right (Section 107).	Permanent	30.	Certified copy of Courts order, declaring dissolution to be void [Section 559 (2)].	Permanent
13.	Notice of Receiver/Manager on so ceasing (Section 137).	Permanent	31.	Registration of Existing Companies-copy of Resolution (Section 565).	Permanent
14.	Notice of appointment of Receiver/Manager (Section 137).	Permanent	32.	Registration of Existing Companies List of members [Section 567(a)].	Permanent
15.	Notice of situation of registered office and any change therein (Section 146).	Permanent	33.	Registration of Existing Companies—Statement of particulars to be filed [Section 567(c)].	Permanent
16.	Notice of rectification of register of members (Section 156).	Permanent	34.	Application by an existing Joint stock company for registration as a Limited/Unlimited company (Section 568).	Permanent
17.	Notice of the situation of office where a foreign register is kept or any changes therein [Section 157(2)].	Permanent	35.	Application by an existing Company (not being a Joint Stock Company) for registration as a limited/unlimited company (Section 568).	Permanent
18.	Statutory Report (Section 165)	Permanent	36.	Registration of Existing Companies List of directors etc. [Section 568(a)].	Permanent
19.	List of unclaimed Dividends Form No. 1-Rule 3(5) of the Companies Unpaid Dividend (Transfer to General Revenue Accounts of the Central Government) Rules, 1978 (Section 205A).	Permanent	37.	Registration of an Existing Company Declaration form (Section 569).	Permanent
20.	Notice of address at which books of accounts are maintained [Section 209(1)].	Permanent			

SCHEDULE II

[See rule 5]

No.	Name of document	Period of Preservation
1	2	3
1.	Declaration of compliance with requirements of the Act by an Advocate, Attorney, Pleader, or Director, Managing Director, Secretaries and Treasurer, Manager, or Secretary named as such in the articles [Section 33(2)].	10 years
2.	Return of deposit filed under section 58-A under rule 10 of Companies (Acceptance of Deposits), Rules, 1975.	8 years
3.	Copy of advertisement or statement in lieu of Advertisement under section 58-A (under rule 4/4A <i>ibid</i>).	8 years
4.	Return of allotment of shares [Section 75(1)(a)].	5 years
5.	Contract of allotment of shares fully or partly paid up otherwise than in cash and verified copies of such contract [Section 75(1)(b)].	5 years
6.	Prescribed particulars in contracts not reduced to writing [Section 75(2)].	5 years
7.	Statement disclosing amount of rate percent of the commission of subscribing for shares where they are not offered to the public for subscription (Section 76).	5 years
8.	Particulars of mortgages (Section 125).	10 years after satisfaction of charges.
9.	Particulars of charge on a property acquired subject to charge (Section 127).	10 years after satisfaction of charges.
10.	Registration of one issue of series of debentures (Section 128)	One year after redemption of debentures.
11.	Registration of debentures in more than one series (Proviso to section 128).	One year after redemption of debentures.
12.	Particulars of commission on debentures.	5 years
13.	Particulars of modification of charge (section 135).	10 years after satisfaction of charge.
14.	Memorandum of satisfaction of charge (Section 138).	10 years after satisfaction.
15.	Declaration before commencing business by a company issuing a prospectus [Section 149(1)]	One year after issue of certificate by the Registrar.
16.	Declaration before commencing business by a company, issuing a statement in lieu of prospectus [Section 149(2)].	-do-
17.	Annual Return of members of a company, having share capital (section 159).	5 years or the filing of the next return whichever is later.
18.	Annual return of members of a company not having share capital (Section 160).	3 years or the filing of the next return whichever is later.
19.	Return under section 187-C.	8 years
20.	Registration of Resolution and Agreements (Section 192).	5 years
21.	Notice of Auditor [Section 224 (1)].	3 years
22.	Consent of candidates for directorship to be filled with the Registrar. [Section 264(2)].	10 years
23.	List of persons consenting to be director. [Section 265(4)].	10 years
24.	Consent form of Directors [Section 266(1)(a)] and affidavit regarding the shares registered in the name of a director [Section 266(1)(b)(iv)]	10 years
25.	Undertaking of directors to take qualification shares [Section 266 (1)(b)(iii)] and declaration of qualification shares held by a director (Section 271).	10 years
26.	Particulars of Directors etc. [Section 303(2)].	5 years
27.	Copy of winding up order by Court [Section 445(1)].	5 years from the date of the dissolution or one year after an application is rejected under section 559 of the Companies Act, 1956.
28.	Audited Accounts of Official Liquidators [Section 462(4)].	-do-
29.	Copy of order of Court staying winding up [Section 466(3)]	-do-
30.	Copy of the order of dissolution of a company by Court [Section 481(2)].	5 years from the date of the dissolution or one year after an application is rejected under section 559 of the Companies Act, 1956.
31.	Declaration of solvency in the case of voluntary winding up [Section 488(2)(a)].	-do-
32.	Notice of appointment of Liquidator in voluntary winding up [Section 493(1)].	-do-
33.	Return of final meeting and dissolution in the case of Members' Winding up [Section 497(3)].	-do-
34.	Copy of order of the Court deferring the date of dissolution in the case of Members' winding up [Section 497(6)].	-do-

1	2	3
35. Winding up notice of Creditors' resolution [Section 501(1)]	5 years from the date of the dissolution or one year after an application is rejected under Section 559 of the Companies Act, 1956.	
36. Copy of order of the Court deferring date of dissolution in Creditors' winding up [Section 509(1)].	-do-	
37. Return of final meeting and dissolution in the case of Creditors' winding up [Section 509(3)].	-do-	
38. Notice by Liquidator of his appointment by Court in the case of voluntary winding up [Section 516(1)].		5 years from the date of the dissolution or one year after an application is rejected under Section 559 of the Companies Act, 1956.
39. Liquidators' Statement of Account [Section 555(1)(b)]		-do-
40. Registered documents relating to Companies struck off under section 560(5) together with correspondence [Rule 4(3)].		21 years
41. Any other registered document not specified above.		3 years

[File No. 2/19/83-CL.V
P.K. MALLIK, 'Jt. Secy.

